मुख्यमंत्री ने किया एस्ट्रोनॉमी लैब का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

27 फरवरी, 2022 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भिवानी के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकंडरी स्कूल व राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्थापित एस्ट्रोनॉमी लैब का शुभारंभ किया। इस लैब के माध्यम से छात्र ब्रह्मांड का रहस्य जान सकेंगे।

प्रमुख बिंदु

- ज़िले में प्रथम चरण में ज़िला मुख्यालय पर राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल और राजकीय कन्या सीनियर सेकंडरी स्कूल तथा कस्बा बवानीखेड़ा के राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में एस्ट्रोनॉमी लैब तैयार करवाई गई है।
- राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में कल्पना चावला एस्ट्रोनॉमी लैब तथा राजकीय कन्या सीनियर सेकंडरी स्कूल में डॉ. विक्रम साराभाई के नाम से एस्ट्रोनॉमी लैब तैयार करवाई गई है।
- इस एस्ट्रोनॉमी लैब में बच्चे टेलीस्कोप के द्वारा पृथ्वी का वायुमंडल, चांद व तारों को देख सकेंगे। बच्चे टिमटिमाते तारों के बारे में नई-नई जानकारी हासिल करेंगे। एक लैब में चार टेलीस्कॉप की सुविधा मुहैया करवाने की योजना है।
- एस्ट्रोनॉमी लैब में बच्चों को ब्रह्मांड के बारे में हर सवालों के जवाब मिलेंगे। इसके लिये लैब में 25 वर्किंग मॉडल होंगे, जिससे बच्चे जान सकेंगे कि आसमान का रंग नीला क्यों हैं? तारे क्यों चमकते हैं? चांद और सूरज कहाँ छिप जाते हैं? या फिर रात के समय आसमान काला क्यों दिखाई देता है?
- लैब स्थापित करने के तीन मुख्य उद्देश्य हैं-
  - 21वीं सदी के भारत में सभी छात्रों के अंदर अंतरिक्ष के व्यावहारिक ज्ञान के ज़रिये उत्सुकता जाग्रत् करना।
  - छोटी उम्र से ही सभी बच्चों में साइंटिफिक टेंपर विकसित करना।
  - टेलीस्कोप के माध्यम से सौरमंडल के अन्य ग्रहों को पास से देखना और उनके चित्र कैमरे में कैद करना है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/astronomy-lab